भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 13 सितंबर, 2026
जारी करने का समय:1345 घंटे

विषय: दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी विदर्भ के ऊपर बने निम्न दाब क्षेत्र के असर से, 13 सितंबर को कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में; और 13-14 सितंबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 13 सितंबर को गुजरात क्षेत्र और उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।

आज, 13 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- गुजरात क्षेत्र में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 30 cm) दर्ज की गई है।
- विदर्भ, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम, कोंकण और तेलंगाना में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- मानसून ट्रफ़ सक्रिय है और निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल में अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- कल दक्षिण छत्तीसगढ़ और आसपास के इलाकों में बना निम्न दाब क्षेत्र आज, 13 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तर विदर्भ के ऊपर स्थित था। इसके अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व राजस्थान और उससे सटे उत्तर गुजरात से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल में, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तर विदर्भ के ऊपर बने निम्न दाब क्षेत्र से जुड़े साइक्लोनिक सर्कुलेशन से मन्नार की खाड़ी तक एक ट्रफ़ बनी हुई है।
- निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल में दक्षिण कोंकण और उससे सटे पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर एक ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन मौजूद है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल में दक्षिण-पश्चिम अरब सागर से दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तर विदर्भ के ऊपर बने निम्न दाब क्षेत्र के केंद्र तक एक ट्रफ़ बनी हुई है।
- मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल में एक पश्चिमी विक्षोभ ट्रफ़ के रूप में लगभग 73°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर की ओर बढ़ रहा है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल में मध्य असम और आसपास के इलाकों के ऊपर एक ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 15-17 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में काफ़ी ज़्यादा से लेकर बड़े इलाके में बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।

- 16-17 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में काफ़ी ज़्यादा से लेकर बड़े इलाके में बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 13 सितंबर को उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में; 13-17 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 13-14 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

मध्य भारत:

- 13-14 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 13 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 13-15 सितंबर के दौरान विदर्भ में; 13-16 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफ़ी ज़्यादा से लेकर बड़े इलाके में बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 15-19 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 14-19 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 16-19 सितंबर के दौरान विदर्भ में; 17-19 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 13-14 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 13 सितंबर को विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 16-19 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 13-19 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 13 सितंबर और 16-19 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 16-17 सितंबर के दौरान बिहार में; 13-14 सितंबर के दौरान ओडिशा में काफ़ी ज़्यादा से लेकर बड़े इलाके में बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 13-15 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 14-15 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है। झारखंड में 13-19 सितंबर के दौरान; बिहार में 13-15 सितंबर और 18-19 सितंबर के दौरान; ओडिशा में 15-19 सितंबर के दौरान।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 16-19 सितंबर के दौरान; बिहार में 15-17 सितंबर के दौरान; ओडिशा में 14-17 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13-17 सितंबर के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 18-19 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 13-17 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 13-16 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13 सितंबर को कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 13-17 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 13-16 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा तथा सौराष्ट्र और कच्छ में 13-15 सितंबर के दौरान; मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 13 सितंबर को काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश की संभावना है।
- गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा तथा सौराष्ट्र और कच्छ में 16-19 सितंबर के दौरान; मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 14-19 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश की संभावना है।
- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 13 सितंबर को; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 13-15 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

- मध्य महाराष्ट्र में 14 सितंबर को; गुजरात क्षेत्र और मराठवाड़ा में 13 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। 15 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में; साथ ही 13 सितंबर को कोंकण और गोवा में; 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में; और 13-14 सितंबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 13 सितंबर को गुजरात क्षेत्र और उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 13-19 सितंबर के दौरान रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 13 सितंबर और 16-19 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 13 और 15 सितंबर को तटीय कर्नाटक में; 13-14 सितंबर और 17-19 सितंबर के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 14-19 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 14-15 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 13-19 सितंबर के दौरान लक्षद्वीप में; 13 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 13-17 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14-16 सितंबर के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 13-15 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 14-16 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 13-15 सितंबर के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 13-16 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14-16 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 13 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- 13-15 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

हीट वेव (लू), गर्म और उमस भरे मौसम तथा गर्म रात की स्थितियों की चेतावनी:

- 13 सितंबर को केरल और माहे में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- अरब सागर: 13 सितंबर को उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर, और 16 सितंबर तक उत्तर-पूर्वी अरब सागर से सटे गुजरात के तटों के पास और उनसे दूर; 18 सितंबर तक सोमालिया के तटों के पास और उनसे दूर, और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में जो पश्चिम-मध्य अरब सागर से सटे हैं;
- बंगाल की खाड़ी: 15 सितंबर को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 16 से 18 सितंबर के दौरान दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी (जो दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटी है) के कुछ हिस्सों और अंडमान सागर के ऊपर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- गुजरात क्षेत्र: उकाई (जिला तापी) 30
- असम: अगोमानी 14
- विदर्भ: देसाईगंज (जिला गढ़चिरौली) 14
- कोंकण: वसई(पालघर)-13
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कुमारग्राम 13
- तेलंगाना: कोडकांडला (जनगांव) 12
- मध्य महाराष्ट्र: नवापुर (नंदुरबार) 10
- तमिलनाडु: तिरुवन्नामलाई 10
- तटीय आंध्र प्रदेश: अडांकी (बापटला) 9
- सौराष्ट्र: घोघा (जिला भावनगर) 9, भावनगर (जिला भावनगर) 7,
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: हरसूद (खंडवा) 8
- छत्तीसगढ़: बड़े बचेली (जिला दंतेवाड़ा) 8
- बिहार: टेढ़ागाछ 7|

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	13- Sep	14- Sep	15- Sep	16- Sep	17- Sep	18- Sep	19- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
27	CHHATTISGARH	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक II

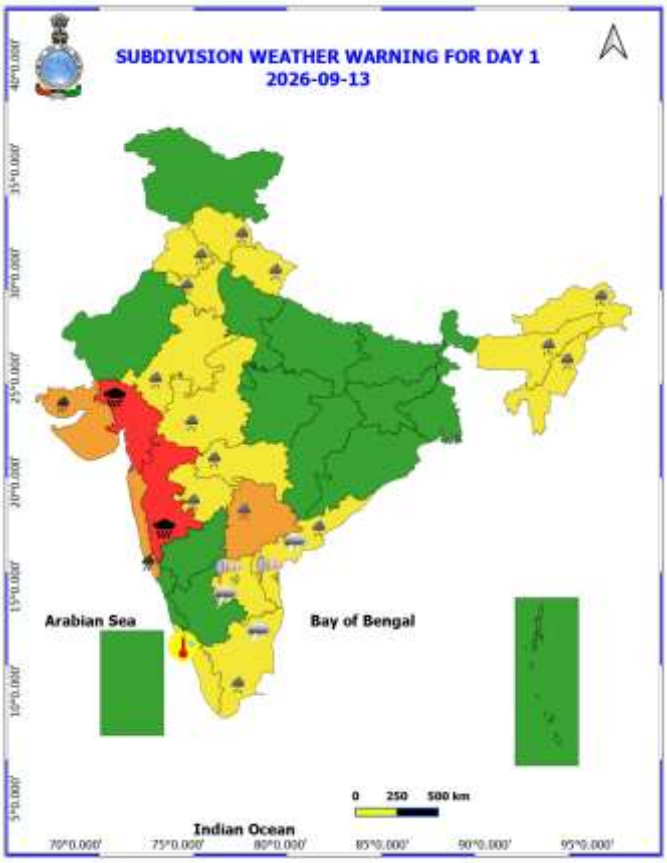
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-09-13
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

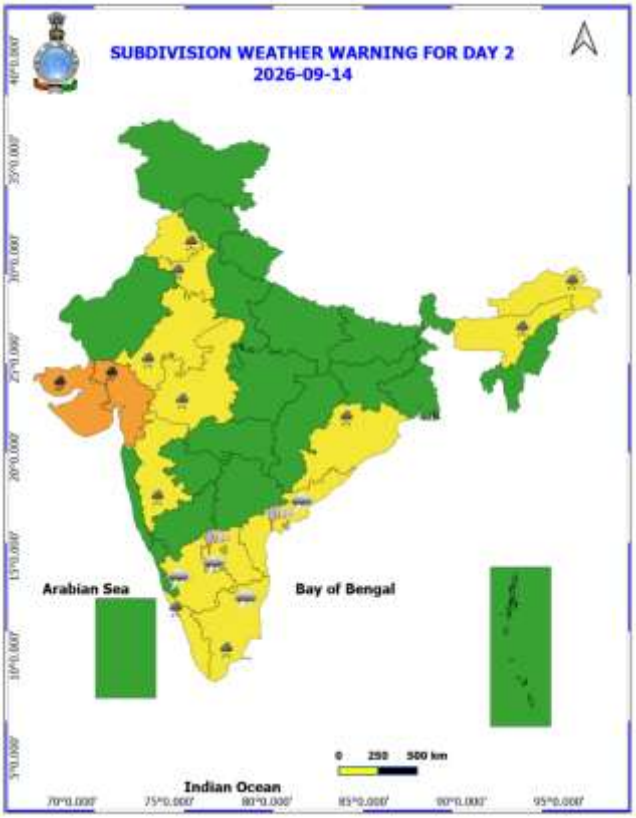
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-09-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

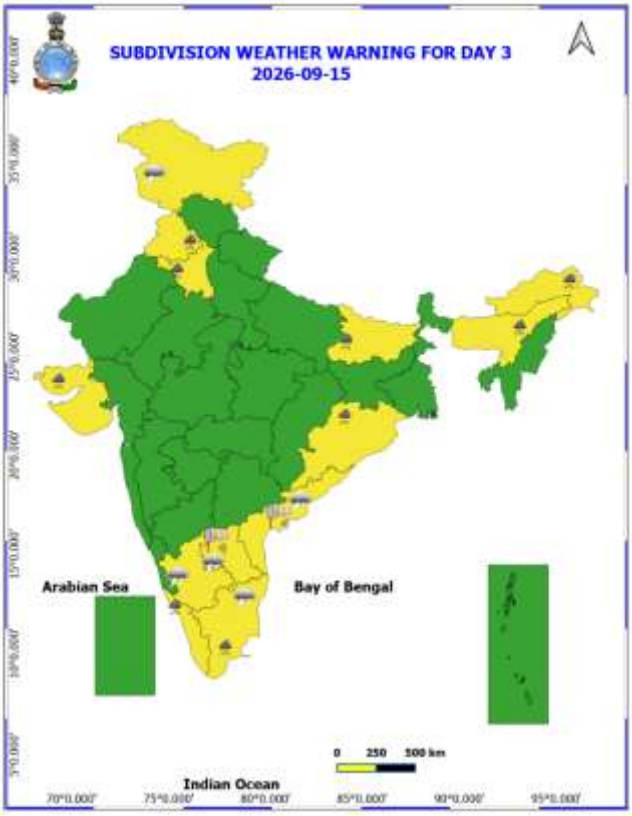
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-09-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

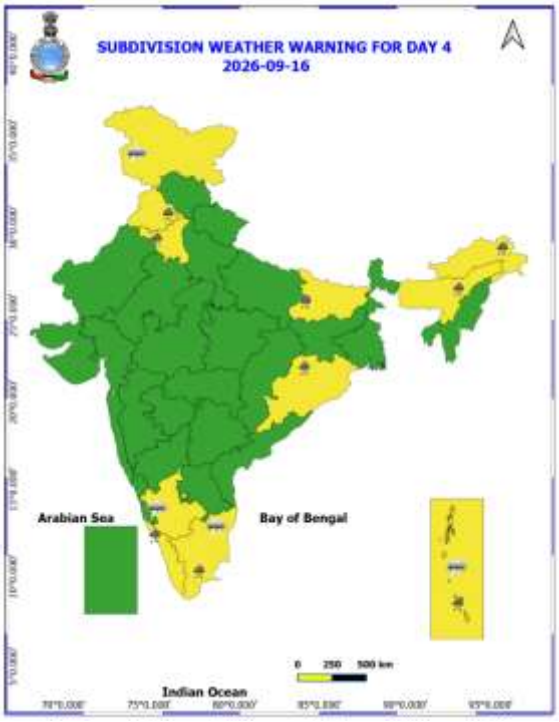

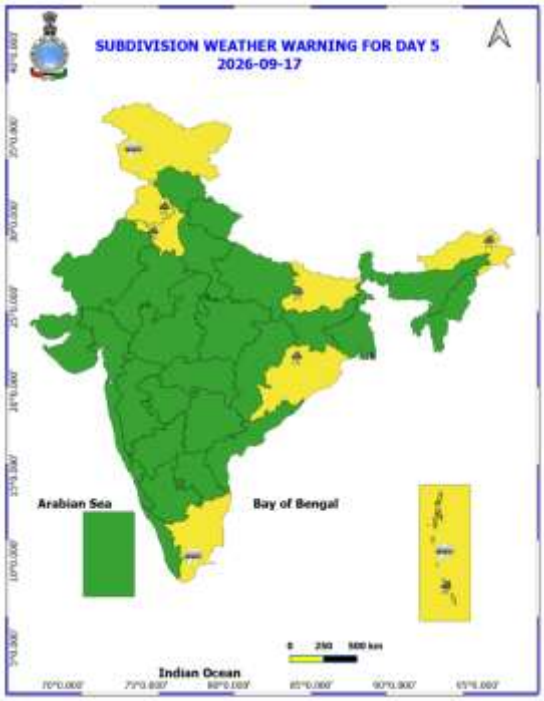

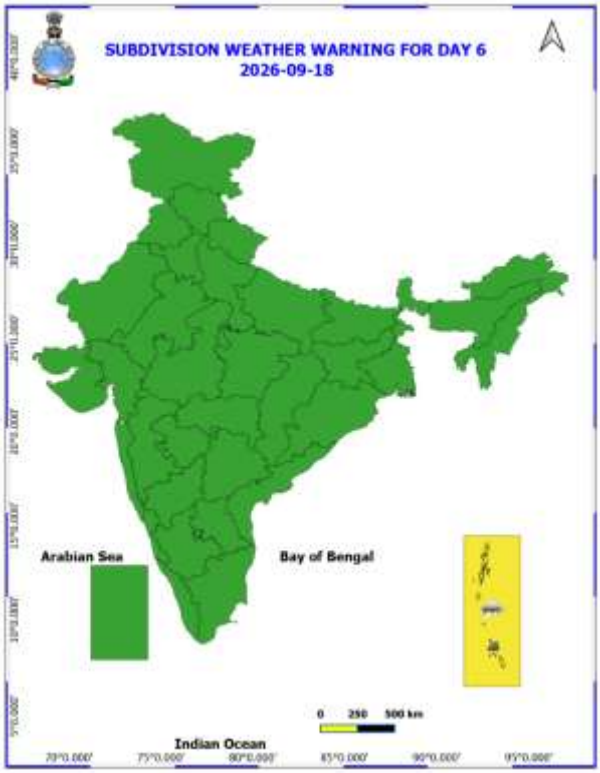

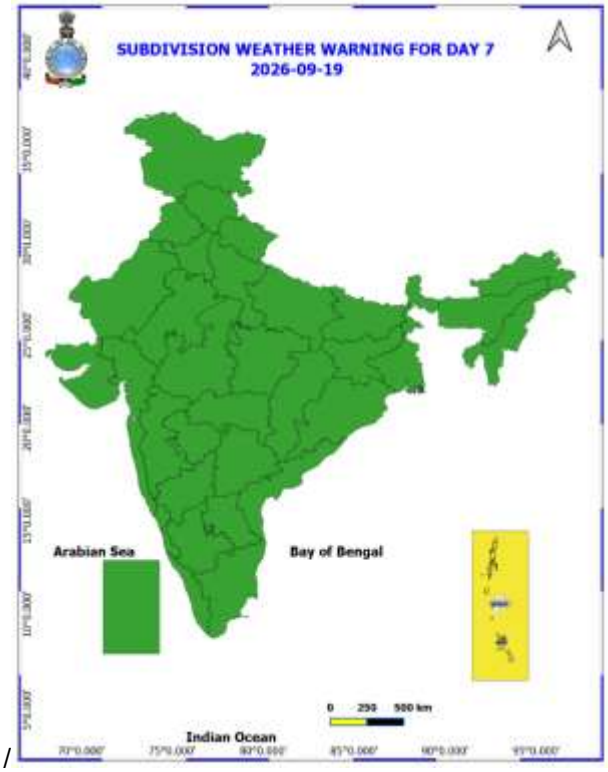

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

13 सितंबर से 16 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C और न्यूनतम तापमान 22-26°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C), कुछ अलग-थलग जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन के पास हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 40 किमी/घंटा तक पहुँच गई; हवा पूर्व दिशा से चल रही थी। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

13.09.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कुछ अलग-थलग जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

14.09.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम के बीच फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

15.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 18 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

16.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ अलग-थलग जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आस-पास और अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आस-पास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 10 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार कम होकर 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 13 सितंबर को कोंकण और गोवा में; 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में; और 13-14 सितंबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 13 सितंबर को गुजरात क्षेत्र और उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- गुजरात में, गन्ना, कपास, धान, अरहर, अरंडी, ज्वार, मक्का और मूंगफली के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए लगातार और प्रभावी जल-निकासी की व्यवस्था करें। लंबे गन्ने को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सूखी पत्तियों या बांस की डंडियों से बांधें, और गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, जल-जमाव को रोकने के लिए सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- कोंकण और गोवा में, धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें और जल-निकासी के रास्तों को साफ रखें। धान की फसल में लंबे समय तक पानी जमा न होने दें (खासकर बालियां निकलने/फूल आने के समय) और गीले मौसम में खेत के काम टाल दें।
- मध्य महाराष्ट्र में, तैयार मूंग और उड़द की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। रागी, मूंगफली, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त पानी निकालें और पानी से भरे खेतों में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम और खाद या पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- सौराष्ट्र और कच्छ में, खड़ी खरीफ फसलों में जल-जमाव रोकने के लिए पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें और गीले मौसम में सिंचाई और खाद डालने से बचें। मुख्य खरीफ फसलों में कीट और बीमारी के हमले पर नज़र रखें और पौधों की सुरक्षा के उपाय केवल बारिश न होने की स्थिति में ही करें।

- अरुणाचल प्रदेश में, तैयार अपलैंड/झूम धान, सोयाबीन और सब्जियों की कटाई करें और उपज को तुरंत सुरक्षित, ढके हुए स्थानों पर ले जाएं। बाजरा/रागी के खेतों में जल-निकासी बनाए रखें और भारी बारिश से नुकसान कम करने के लिए खीरे और अन्य बेल वाली सब्जियों के लिए मचान और सहारे को मजबूत करें।
- असम और मेघालय में, मक्का, उड़द, मूंग और तिल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालें और धान के खेतों में पानी का स्तर सही बनाए रखें। पपीता, केला और कमजोर तने वाली फसलों को सहारा दें; जहां संभव हो बारिश से पहले कद्दू और लौकी की कटाई कर लें और धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में पानी की उचित निकासी बनाए रखें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान के खेतों में पानी का सुरक्षित स्तर बनाए रखें और जल-जमाव रोकने के लिए धान और मूंग के खेतों में जल-निकासी के रास्तों को साफ रखें। परवल और अन्य संवेदनशील सब्जियों को भारी बारिश से बचाएं और लंबे समय तक नमी वाले मौसम में टमाटर, मिर्च, अदरक और बेल वाली सब्जियों में बीमारी की निगरानी करें।
- पंजाब में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की उचित निकासी बनाए रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम और खाद या पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें। कपास में फूल और फल आने के समय लंबे समय तक जल-जमाव से बचाव करें और जहाँ खेत की स्थिति ठीक हो, वहाँ पक चुकी बाजरे की फसल की कटाई करें।
- हरियाणा में, खड़ी फसल और सब्जियों के खेतों में जल-जमाव रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और गीले मौसम में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम और खाद या पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- पूर्वी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, दालों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और गीले मौसम में ज़रूरत से ज़्यादा सिंचाई न करें। सोयाबीन में फलियाँ बनने और मक्का में सिल्क/फूल आने के समय, मौसम साफ और सूखा होने तक पौधों की सुरक्षा और खाद डालने का काम टाल दें; जहाँ खेत की स्थिति ठीक हो, वहाँ मक्का की फसल पर मिट्टी चढ़ाने का काम करें।
- मराठवाड़ा में, पक चुके मक्का, मूंग और उड़द की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। खरीफ की फसलों, बागों, सब्जियों और फूलों की फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- विदर्भ में, पक चुकी मूंग और उड़द की कटाई जल्द से जल्द करें और उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। धान, सोयाबीन, कपास, अरहर, मक्का, सब्जियों के खेतों और बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें; नए लगाए गए बागों और सब्जियों को यांत्रिक सहारा देकर सुरक्षित करें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, मोटे अनाज, अदरक, हल्दी, सब्जियों, दालों और बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और पानी की निकासी के रास्तों को साफ रखें। सब्जियों की नर्सरी को ढक दें, नए लगाए गए केले के पौधों पर मिट्टी चढ़ाएँ और सब्जियों को सहारा दें; बारिश रुकने और मिट्टी के काम करने लायक होने के बाद ही खेत में काम करें।
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। धान के खेतों की मेड़ को ठीक रखें और अतिरिक्त पानी निकलने का रास्ता बनाए रखें, कमज़ोर फसलों को सहारा दें, और जहाँ खेत की स्थिति ठीक हो, वहाँ पक चुकी नागा मिर्च और 'औस' धान की कटाई करें।
- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मूंगफली, मक्का, कोदो बाजरा, हल्दी, कॉफी के बागानों, फलों के बागों और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और मिट्टी के चिपचिपे होने पर खेत में काम न करें। तेज़ हवा और बारिश के दौरान केले के पौधों को गिरने और उनके तने (स्यूडोस्टेम) को टूटने से बचाने के लिए बांस का सहारा दें या उन्हें बांध दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्ज़ियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

- तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

14-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR): अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है। गुजरात क्षेत्र: वलसाड, सूरत, नवसारी और भरूच जिले सौराष्ट्र और कच्छ: भावनगर, अमरेली, सुरेंद्रनगर, राजकोट, गिर सोमनाथ, जूनागढ़ और पोरबंदर जिले अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।	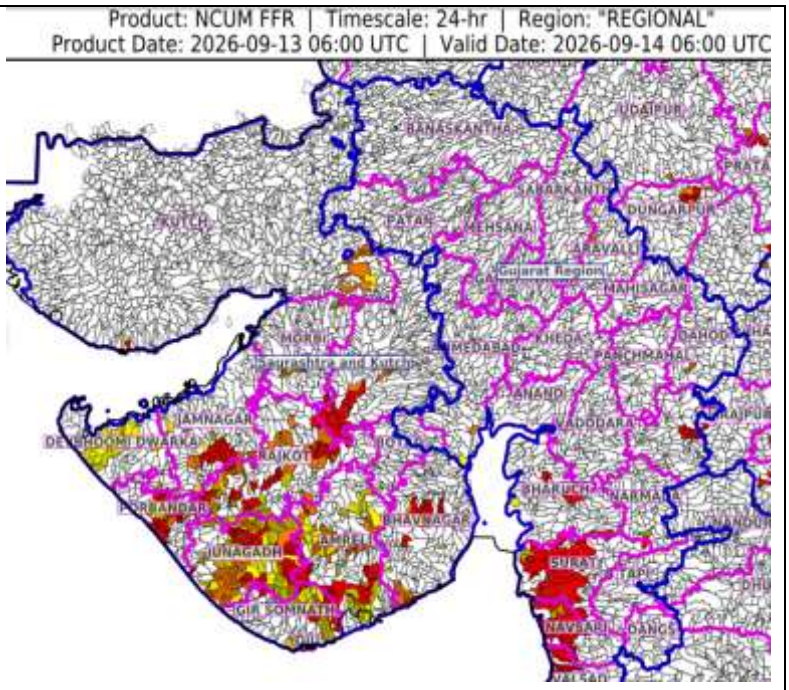

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

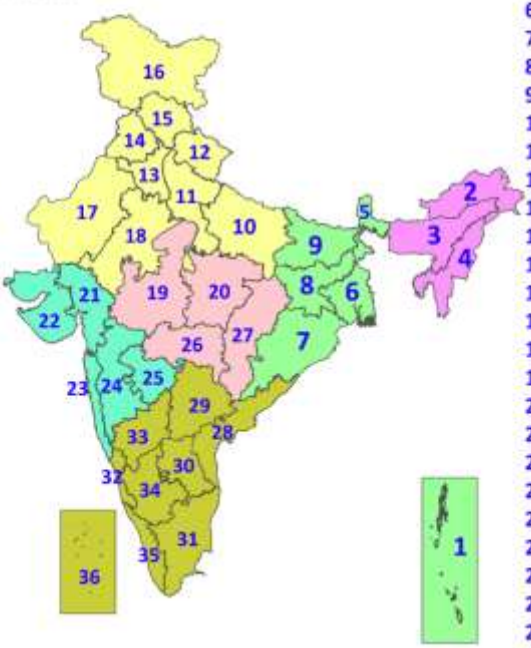

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)